www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंकः 30 || लखनऊ
गुरुवार
30 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:29
सूर्यास्तः 06:38
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 23°00

पेज 03

विशेष समाचार
श्रम का सम्मान, समानता का... >> पेज 02
व्यापारियों की आवाज को ... >> पेज 04
यश की टॉक्सिक रिलीज दूसरी ...

एग्जिट पोल में पश्चिम बंगाल में बीजेपी आगे ■ तमिलनाडु-केरल में पुराने ट्रेंड बरकरार

किसकी बनेगी सरकार ?

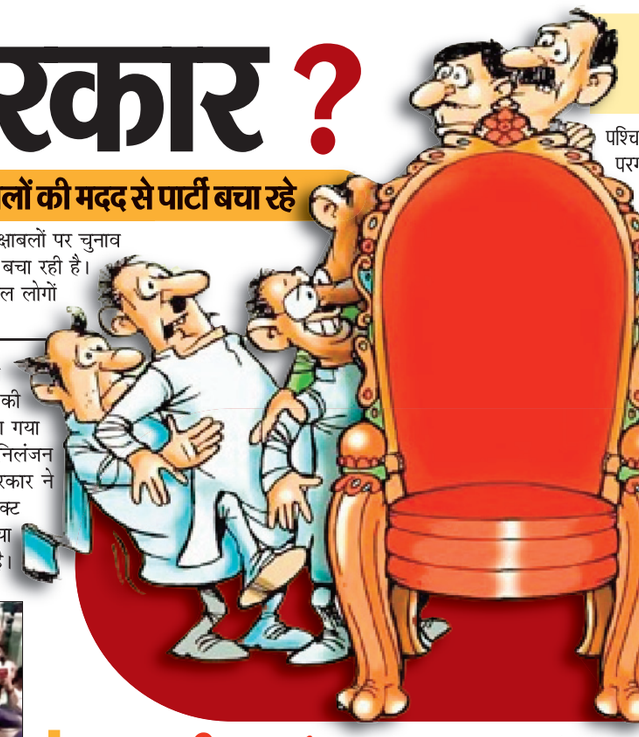

मुकाबला

तमसा संकेत, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में 6 एग्जिट पोल के नतीजे आ चुके हैं। 5 में भाजपा और एक में TMC सरकार बनने का अनुमान जताया गया है। मैट्रिज के एग्जिट पोल में TMC को 125 से 140 और भाजपा को 146 से 161 सीटें मिलने का अनुमान है। चाणक्य स्ट्रैटीज ने TMC को 130 से 140 और भाजपा को 150 से 160 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। पीपुल्स पल्स ने TMC को 177 से 187 और भाजपा को 95 से 110 सीटें मिलने की बात कही है। प्रजा पोल ने TMC को 85 से 110 और भाजपा को 178 से 20 सीटें मिलने की बात कही है। पी-मार्क के एग्जिट पोल में TMC को 118 से 138 और भाजपा को 150 से 175 और सीटें दी गई हैं। पोल डायरी ने TMC को 99 से 127 और भाजपा को 142 से 171 सीटें मिलने की बात कही है। हावड़ा के बाली विधानसभा क्षेत्र के लिलुआ में बूथ नंबर 151, 152 और 153 पर केंद्रीय बलों ने लोगों पर लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस एक व्यक्ति को घसीटते हुए गाड़ी में डालकर ले जाते हुए दिखी। बताया जा रहा है कि EVM मशीनों में आई तकनीकी खराबी के कारण वोटर्स काफी समय तक लाइन में खड़े रहे। कई लोगों ने पुलिस और केंद्रीय बलों से शिकायत की। इसके बाद लाठीचार्ज शुरू हो गया। इसके कारण कुछ समय तक बूथों पर तनाव की स्थिति रही। बाद में स्थिति शांत हो गई और मतदान फिर से शुरू हो गया। भवानीपुर में भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया है CO ने भीड़ को काबू में करने के लिए पूरे राज्य में सेंट्रल फोर्स को खुली छूट दे दी है। सुवेंदु ने कहा- CO ने आदेश दिया है कि जहां भी 4 से ज्यादा आदमी जहां खड़े होंगे, उन्हें खदेड़ने के लिए सेंट्रल फोर्स जो चाहे कर सकती है।

ममता बोलीं- गृह मंत्री चुनाव में दखल दे रहे, सुरक्षाबलों की मदद से पार्टी बचा रहे

वोटिंग के बीच CM ममता बनर्जी ने मीडिया से बात की। उन्होंने केंद्रीय सुरक्षाबलों पर चुनाव में दखल देने का आरोप लगाया। ममता ने कहा- भाजपा बॉर्डर के बजाय पार्टी बचा रही है। गृह मंत्री चुनाव में सीधे दखल दे रहे हैं। पहले कभी ऐसा नहीं देखा। केंद्रीय बल लोगों को टॉर्चर नहीं कर सकते।

वोटिंग के बीच पेट्रोल-डीजल महंगा होने के दावे को केंद्र ने फर्जी बताया

वोटिंग के दौरान सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार का आदेश वायरल हो रहा है, जिसमें पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 10 और 12.50 की बढ़ोतरी का दावा किया गया है। TMC के सोशल मीडिया विंग के स्टेट सेक्रेटरी निलंजन दास ने इसे X पर शेयर भी किया। हालांकि, केंद्र सरकार ने वायरल आदेश की कॉपी को फर्जी बताया है। PIB फैक्ट चेक ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार ने पेट्रोल या डीजल के दाम बढ़ाने का कोई आदेश जारी नहीं किया है।

चुनाव के दौरान 2 बड़ी घटनाएं...

■ **ममता बोली- CRPF मोदी-शाह की एजेंट :** CM ममता ने कहा- CRPF चारों तरफ लोगों पर अत्याचार कर रही है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री खुद दखल दे रहे हैं। सेंट्रल फोर्स उनके एजेंट की तरह काम कर रही है। CRPF ने सभी बूथ कैप्चर कर लिए। कहीं भी बंगाल पुलिस नहीं है। उन्होंने हमारे लोगों को गिरफ्तार किया। वोटरों और सेंट्रल ऑब्सर्वर लोगों से मारपीट की। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा।

■ **भवानीपुर में सुवेंदु के खिलाफ 'गो बैक' और 'चोर-चोर' के नारेः** भवानीपुर में ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को घेरकर TMC समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। सुवेंदु एक पोलिंग बूथ का इंस्पेक्शन करने पहुंचे थे। सुवेंदु जब कालीघाट में ममता के आवास से करीब 100 मीटर दूर सड़क से गुजर रहे थे, तब लोगों ने 'गो बैक' के नारे लगाए। सुवेंदु ने भी जवाब में जय श्री राम के नारे लगाए।

बंगाल का सियासी रणःपोलिंग बूथ पर खूनी संघर्ष, भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता भिड़े

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के दौरान उत्तर 24 परगना जिले में भारी हिंसा की खबर सामने आई है। मतदान के आखिरी घंटों में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। यह घटना जिले के बूथ नंबर 120, अरबिंदा रैली क्षेत्र की है। मतदान प्रक्रिया जारी रहने के दौरान ही दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी और मारपीट हुई। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियों को मौके पर भेजा गया। भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह भी मौके पर मौजूद रहे।

कुणाल घोष बोले- टीएमसी को 235 से ज्यादा सीटें मिलेंगी

TMC नेता कुणाल घोष ने कहा कि पहले चरण के मतदान में TMC की सेंचुरी हो गई थी। दूसरे चरण के मतदान के बाद हम बोल रहे हैं कि इस बार बंगाल में भाजपा को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। TMC को 235 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। जितना ज्यादा मतदान हुआ, उतने ज्यादा वोटों से TMC जीतेगी।

1. पश्चिम बंगालः

2021: 10 में से 5 एग्जिट पोल ने टीएमसी की जीत दिखाई, 3 ने बीजेपी की सरकार और 2 ने कड़ी टक्कर दिखाई।

2016: सभी 6 एग्जिट पोल ने ममता की वापसी की संभावना जताई।

2011: सर्वे एजेंसियां कम थीं। स्टार न्यूज-नीलसन, हेडलाइन टुडे और सीएनएन-आईबीएन-सीएसडीएस ने टीएमसी की जीत दिखाई।

2. तमिलनाडुः

2021: सभी 4 एग्जिट पोल ने डीएमके की सरकार का अनुमान लगाया।

2016: पोल बंटे हुए थे, 8 में से 5 में डीएमके और 3 में एआईएडीएमके सरकार की संभावना जताई गई।

2011: 3 बड़े सर्वे में एआईएडीएमके की सरकार बनने की संभावना जताई थी, लेकिन पार्टी को ज्यादा सीटें मिलीं।

3. केरलमः

2021: सभी 4 एग्जिट पोल ने एलडीएफ की वापसी का अनुमान लगाया।

2016: 4 में से 3 पोल एलडीएफ के पक्ष में थे, 1 ने कड़ी टक्कर बताई।

2011: 3 सर्वे एजेंसियों के पोल में यूडीएफ की सरकार बनाई।

4. असमः

2021: सभी 5 एग्जिट पोल ने बीजेपी की सरकार का अनुमान लगाया।

2016: भी 5 में से 4 पोल बीजेपी के पक्ष में थे, 1 ने त्रिशंकु विधानसभा की संभावना जताई।

2011: 3 पोल में सभी ने कांग्रेस की सरकार का अनुमान लगाया।

बंगाल में चुनाव के बाद भी केंद्रीय सुरक्षा बलों की 700 कंपनियां तैनात रहेंगी

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद भी केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रहेगी। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भी राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की करीब 700 कंपनियां तैनात रहेंगी। बंगाल में यह अब तक की सबसे बड़ी पोस्ट-इलेक्शन तैनाती बताई जा रही है। आयोग का कहना है कि इसका मकसद कानून-व्यवस्था बनाए रखना, काउंटिंग और उसके बाद की स्थिति को शांतिपूर्ण रखना है। आरामबाग से TMC सांसद मिताली बाग ने आरोप लगाया है।

बंगाल एग्जिट पोल्स 2026

कुल सीटें: 294 | बहुमत: 148

एजेंसी	TMC	BJP	अन्य
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
चाणक्य स्ट्रेटीज	130-140	150-160	0-5
पीपुल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-5
पी मार्क	118-138	150-175	0-0

असम एग्जिट पोल्स 2026

कुल सीटें: 126 | बहुमत: 64

एजेंसी	BJP+	कांग्रेस+	अन्य
इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया	88-100	24-36	0-3
मेट्रिज	85-95	25-32	6-12
पीपुल्स प्लस	68-72	22-26	3-5
पी मार्क	82-94	30-40	1-5
जेवीसी	88-101	23-33	2-5
चाणक्य स्ट्रेटजीज	88-98	22-32	3-5
पोल डायरी	86-101	15-26	3-7

“पांचों राज्यों में 3 से 12% मतदान बढ़ाः पांचों राज्यों में इस बार रिकॉर्ड वोटिंग हुई। सबसे बड़ा फैक्टर वोटर लिस्ट रिविजन (एसआ-ईआर) को बताया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इससे कुल वोटर्स की संख्या घट गई, लेकिन वोट डालने वाले लोगों की संख्या लगभग समान रही, जिससे प्रतिशत बढ़ गया। महिलाओं को कैश सहायता, मुफ्त यात्रा और आरक्षण जैसे वादों ने महिला वोटर्स को बड़ी संख्या में बाहर निकाला। इस बार महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुषों की तुलना में बंगाल-तमिलनाडु में 2%, असम में 1%, केरल में 5% और पुडुचेरी में 3% ज्यादा रहा।”

फास्ट न्यूज

जेल से छूटकर भी इंदौर नहीं आ पाएगी सोनम रघुवंशी

भोपाल। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ आया है। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में हनीमून के दौरान पति राजा के मर्डर की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को गिरफ्तारी के करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने शर्त रखी है कि ट्रायल के दौरान सोनम को शिलॉन्ग में ही रहना होगा। शिलॉन्ग कोर्ट ने सोमवार को उसकी जमानत मंजूर कर ली। मंगलवार को सोनम के पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत भर दी।

50 के लिए प्लास-लाठी से पिटाई

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के टाहलीवाल में तेल भरवाने पेट्रोल पंप पर गए युवक की बेरहमी से पिटाई मामले में आरोपी 5 दिन बाद भी फरार हैं। पुलिस अब तक आरोपियों की पहचान तक नहीं कर सकी। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, 24 अप्रैल की रात को टाहलीवाल निवासी मोहम्मद यूसुफ नाम का व्यक्ति अपने दोपहिया वाहन में तेल डलवाने बाथू-बाथड़ी पेट्रोल पंप पर गया। उसने 50 रुपए का तेल डालवाय। इसके बाद जब वह गूगल पे करने लगा तो उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। तब उसने पेट्रोल पंप कर्मियों से कहा कि उसे मोबाइल चार्ज करने दें, ताकि वह पेमेंट कर सके।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रिट्रीट में खुमानी का पौधा लगाया

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिमला के छराबड़ा स्थित रिट्रीट में खुमानी का पौधा लगाया। इसके बाद खुद पानी भी दिया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति निवास के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और वहां आने वाले लोगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। दरअसल, रिट्रीट को मार्च 2023 में आम लोगों के लिए ओपन कर रखा है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में टूरिस्ट और लोकल लोग रिट्रीट की हेरिटेज इमारत देखने पहुंचते हैं।

बड़े घर की माताएं भी पी रहीं : धीरेंद्र शास्त्री

कांग्रेस ने कहा- आपकी भाषा मर्यादा के खिलाफ

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का एक और बयान विवादों में आ गया है। नागपुर में कथा के दौरान उन्होंने कहा, 'आजकल पुरुषों की तो छोड़ो, हमने सुना कि बड़े घरानों की माताएं भी पी रही हैं। राम-राम, राम-राम...बजरंग बली बचाएं।' इसका वीडियो भी सामने आया है। शास्त्री के इस बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। छतरपुर में कांग्रेस नेता दीप्ति पांडे ने कहा- व्यासपीठ से इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। पूरा देश उन्हें सुनता है, ऐसे में माताओं के लिए इस तरह के शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री ने 28 अप्रैल को व्यासपीठ से कहा था।

■ धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर कांग्रेस नेता दीप्ति पांडे ने कहा- व्यासपीठ से इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है।

>> (शेष पेज 04 पर)

हमें देखते ही लोग जय श्रीराम बोलते हैं : योगी

हमने गुलामी का ढांचा गिरते देखा, अयोध्या में शिव मंदिर पर ध्वजारोहण किया

समर्पण

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को राममंदिर पहुंचे। यहां परकोटे में बने शिव मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। यह शिव मंदिर ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में यज्ञशाला के सामने स्थित है, जिसमें 3 फीट का शिवलिंग विराजमान है। अभी योगी राममंदिर परिसर में मौजूद करीब 800 अतिथियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अब हम देश के किसी भी कोने में जाते हैं, तो लोग हमें देखते ही जय श्रीराम बोलते हैं। मैं पश्चिम बंगाल गया था। वहां जैसे ही लोग मुझे देखते थे तुरंत जय श्रीराम का जयकारा लगाते थे। राम हम लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। श्री शंकर जोड़ रहे भारत के एक-एक कंकड़ को। जब तक श्रीराम से कृष्ण और शंकर हैं, तब तक भारत का कोई बाल-बांका नहीं कर सकता, ऐसा राम मनोहर लोहिया बोलते थे। पता नहीं उनके शिष्यों को ये बात समझ आएगी या नहीं? योगी ने कहा कि जहां अयोध्या होगी, वहां विजय होगी। जहां राम होंगे, वहां विजय होगी। ये भी अयोध्या ने साबित किया है।

सीएम ने कहा- हम गुलामी का ढांचा हटते देखने के साक्षी हैं

सीएम ने कहा कि हम सब साक्षी हैं गुलामी का ढांचा हटने के। हम सब साक्षी हैं उन तारीखों के, जब कोर्ट ने रामजन्मभूमि पर मंदिर बनने का फैसला सुनाया। जो लोग धमकाते थे कि मंदिर बना तो ऐसा हो जाएगा। ये वही लोग जो रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे। वे नहीं चाहते थे कि समस्या का समाधान हो। लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट ने देश के हित में सनातन धर्म के साक्ष्य के आधार पर फैसला दिया तो पूरी दुनिया में इसका स्वागत किया गया। वह भारत का सबसे शांत और खुशनुमा दिन था, जिस दिन फैसला आया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

योगी ने कहा कि जहां अयोध्या होगी, वहां विजय होगी। जहां राम होंगे, वहां विजय होगी। ये भी अयोध्या ने साबित किया है। सम-विषम परिस्थितियों में हम झुकेंगे नहीं, रुकेंगे नहीं। आज लाखों लोग रामलला के दर्शन कर रहे हैं।

योगी बोले- देश को बांटने का पाप मत करना

योगी ने कहा कि उन लोगों से सावधान रहिए, जो देश को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। ये वही काम कर रहे हैं, जो मध्य काल में देश को बांटने वाले लोगों ने पाप किया था। ये बांटने का पाप देशद्रोह से कम नहीं है। देश को बांटने का पाप मत कर देना। जिस दिन 140 करोड़ भारतवासी आगे बढ़ेंगे, दुनिया की कोई ताकत उसके सामने बाधा नहीं बन सकती है।

योगी बोले- राम हम लोगों को जोड़ने का काम कर रहे

योगी ने कहा कि मैं पश्चिम बंगाल गया, वहां जैसे ही लोग मुझे देखते थे तुरंत जय श्रीराम का जयकारा लगाते थे। राम हम लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। श्री शंकर जोड़ रहे भारत के एक-एक कंकड़ को। जब तक श्रीराम से कृष्ण और शंकर हैं।

यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे जनता के लिए खुला

पीएम मोदी ने सुबह उद्घाटन किया, बाइक सवारों को भी देना होगा टोल टैक्स

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूपी के हरदोई में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। इसके बाद एक्सप्रेस-वे जनता के लिए खोल दिया गया। इस पर चलने के लिए बाइक सवारों को भी टोल टैक्स देना होगा। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने ऐलान किया कि एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। पीएम ने सपा और कांग्रेस पर कहा- सपा विकास और नारी विरोधी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने इनका नारी विरोधी चेहरा देखा है। इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन के खिलाफ वोट किया। पीएम ने पश्चिम बंगाल में चल रही दूसरे चरण की वोटिंग का जिक्र किया। कहा- जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। ऐसी वोटिंग दशकों में नहीं देखी। इससे पहले पीएम ने एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया। सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे पर पैदल भी चले। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इससे मेरठ से प्रयागराज की दूरी सिर्फ 6 घंटे में पूरी होगी। अब तक 11-12 घंटे लगते थे। एक्सप्रेस-वे करीब 37,350 करोड़ रुपए की लागत से 5 साल में बनकर तैयार हुआ है। इस हिसाब से 1 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की औसत लागत करीब 62 करोड़ 87 लाख रुपए है। मोदी ने ही 18 दिसंबर, 2021 को शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था। इससे पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे था, जिसकी लंबाई 340 किमी है।

■ पीएम मोदी ने गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया।
■ पीएम मोदी, सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे पर पैदल भी चले।

एक्सप्रेस-वे 12 जिलों से गुजरेगा, रात में फाइटर जेट्स उतर सकेंगे

12 जिलों से होकर गुजरने वाला यह एक्सप्रेस-वे कई मायनों में खास है। यहां पब्लिक कन्वीनियंस सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें ठहरने की सुविधा, इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर और फूड कोर्ट शामिल हैं। सड़क पर रंबल स्ट्रिप (उभरी हुई पट्टियां) बनाई गई हैं। इन पर वाहन के टायर आते ही ड्राइवर को वाइब्रेशन महसूस होता है, जिससे हादसों की आशंका कम होगी। एक्सप्रेस-वे पर एयरफोर्स के फाइटर जेट्स की लैंडिंग के लिए शाहजहांपुर के जलालाबाद के पास 3.5 किमी लंबी एयरस्ट्रिप बनाई गई है। यह देश की पहली नाइट लैंडिंग एयरस्ट्रिप है। हर 75 किमी पर पेट्रोल पंप बनाए गए हैं, जिन्हें भारत पेट्रोलियम खुद संचालित कर रहा है।

मोदी बोले- यूपी का विकास भारत की सामरिक ताकत बन रहा

पीएम मोदी ने कहा- अब उन कठिनाइयों का समाधान होगा। बड़े बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा। यह एनसीआर की असीम संभावनाओं को भी करीब लाएगा। इसके किनारे औद्योगिक अवसर मिलेंगे। सभी 12 जिलों में नए उद्योग आएंगे और फार्मा के क्लस्टर विकसित होंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई में अश्लील वीडियो चला

स्क्रीन पर दिखा हैक का मैसेज, गाने भी बजे, चीफ जस्टिस ने सुनवाई बंद की

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील वीडियो चल गया। उस वक्त चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस खरिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। यह मामला दोपहर 12:56 बजे का है। यह साफ नहीं हुआ है कि वारदात के वक्त बेंच किस मामले में सुनवाई कर रही थी। जैसे ही पोर्न वीडियो चला, फौरान सुनवाई रोक दी गई। कुछ मिनट बाद सुनवाई दोबारा शुरू हुई, फिर पोर्न वीडियो चलने लगा। मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की IFSO यूनिट को दी गई है। वर्चुअल सुनवाई के दौरान कई लोग जुड़े हुए थे। इनमें एक क्षितिजीत सिंह थे। शुरुआती पूछताछ में क्षितिजीत ने दावा किया कि उसका अकाउंट अमेरिका से हैक किया गया था। उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि सुनवाई के दौरान वह अश्लील वीडियो कैसे चला। बुधवार को सुनवाई के दौरान वीडियो चलने के बाद 'आपका सिस्टम हैक हो गया है', का मैसेज भी स्क्रीन पर दिखाई दिया। दो बार पोर्न वीडियो चला और तीसरी बार म्यूजिक वीडियो चला। कोर्ट में 100 से ज्यादा जनहित याचिकाओं (PIL) पर सुनवाई हो रही थी। ये मामला उसी दौरान समाने आया। मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर रजिस्ट्रार जनरल को आवश्यक निर्देश दिए गए। अदालत की कार्यवाही रिकॉर्ड करना नियमों के विरुद्ध है।

सम्पादकीय

चुनावी हिंसा रोकने में नाकाम आयोग

प. बंगाल चुनाव के दूसरे और आखिरी दौर के मतदान से पहले भाजपा और चुनाव आयोग पर नए सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल दूसरे चरण से पहले चुनाव आयोग ने उत्तरप्रदेश के आईपीएस अधिकारी और काउंटर स्पेशलिस्ट माने जाने वाले अजय पाल शर्मा को दक्षिण 24 परगना जिले का नया पुलिस निरीक्षक नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के फौरन बाद अजय पाल शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में वे फाल्टा क्षेत्र के तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगीर के घर के पास खड़े हुए हैं और कहते हैं 'जहांगीर के घर वाले खड़े हैं, उसको बता देना कि कायदे से रहे... यह बार-बार जो खबर आ रही है कि जहांगीर के लोग धमका रहे हैं, तो फिर अच्छे से खबर लेंगे, फिर बाद में रोना और पछताना मत...।' अजय पाल शर्मा की इस भाषा और धमकी पर तो सवाल उठ ही रहे हैं, कुछ पूर्व पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चुनाव निरीक्षक का काम चुनाव आयोग की आंख और कान की तरह काम करना है, लेकिन उसमें मुंह बंद रखना होता है। यानी ऐसे सरेआम किसी का नाम लेकर धमकाना सही नहीं है। अजय पाल शर्मा की नियुक्ति पर एक तरफ टीएमसी ने सवाल उठाए, तो वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन्हें संभल और रामपुर में भाजपा का परखा हुआ एजेंट कहकर बता दिया है कि इस नियुक्ति के पीछे राजनैतिक दबाव काम कर रहा है। अगर ऐसा नहीं है तो चुनाव आयोग को इस पर फौरन सफाई देनी चाहिए। क्योंकि लगातार प.बंगाल में आयोग की कामकाज की शैली पर सवाल उठ रहे हैं। जैसे चुनाव आयोग ने सोमवार, 27 अप्रैल को ही 'उपद्रवियों' की एक नई सूची जारी की थी, जिसमें दूसरे दौर की 142 विधानसभा सीटों में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हज़ारों लोगों के नाम शामिल हैं। इन सभी सीटों पर बुधवार को मतदान होना है। चुनाव आयोग द्वारा जारी इस सूची को एहतियाती कार्रवाई या हिरासत में लेने के अनुरोध के साथ जारी किया गया है। इसी तरह इस बार के चुनाव को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए चुनाव आयोग ने केन्द्रीय बलों की 2400 कंपनियां यानी करीब 2.4 लाख जवानों को तैनात किया है, जबकि लोकसभा चुनाव के लिए सभी 543 सीटों पर 3400 कंपनियां तैनात की गईं थी। इसके बावजूद राज्य में हिंसा की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। सोमवार को टीएमसी की महिला और अनुसूचित जाति से आने वाली सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। पत्थर बरसा कर उनकी कांच के शीशे तोड़े गए, जिसमें वो और उनका ड्राइवर दोनों घायल हुए हैं। टीएमसी का आरोप है कि हमला भाजपा के लोगों ने करवाया। एक पोस्ट में टीएमसी ने लिखा भी कि अमित शाह ने कहा था कि टीएमसी के लोगों को उल्टा लटका देंगे और अब ये हमला हुआ है। टीएमसी का ये भी आरोप है कि सुरक्षा के नाम पर तैनात जवान और पुलिस निरीक्षक आधी रात को छापे मार रहे हैं, रात के सन्नाटे में आम नागरिकों और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के घरों में ज़बरदस्ती घुस रहे हैं; वे परिवारों को आतंकित कर रहे हैं, मतदाताओं को डरा-धमका रहे हैं। वहीं मिताली बाग पर हुए हमले के बाद सागरिका घोष ने सवाल उठाया है कि क्या यही भाजपा की नारी शक्ति के सम्मान की हकीकत है। हालांकि ऐसा ही हमला गोगहाट में भाजपा प्रत्याशी प्रशांत दिगार की गाड़ी पर भी किए जाने का आरोप लगा है। उनकी कार के शीशे तोड़ दिए गए। भाजपा ने इस हमले के लिए तृणमूल कांग्रेस समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। इससे तीन दिन पहले एक कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या भी हो गई। इन हालात में सवाल ये है कि चुनाव आयोग के दावों का क्या हुआ। याद रहे कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट किया था कि इस बार चुनाव में न 'छप्पा' यानी फर्जी वोटिंग होगी और न ही 'बूथ जैमिंग' यानी बूथ पर कब्जा होने दिया जाएगा। आयोग का कहना है कि निष्पक्ष चुनाव ही लोकतंत्र की असली पहचान है और 2021 जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति किसी भी हाल में नहीं होने दी जाएगी। इस बार चुनाव आयोग की रणनीति पूरी तरह बदली हुई है। अब फोकस घटना होने के बाद कार्रवाई करने पर नहीं, बल्कि पहले से रोकथाम करने पर है। इसके लिए सुरक्षा बलों की पहले से तैनाती, संवेदनशील इलाकों की पहचान और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। आयोग का साफ संदेश है कि चुनावी प्रक्रिया में डर, हिंसा और दबाव के लिए कोई जगह नहीं होगी। याद रहे कि चुनाव की घोषणा होते ही प.बंगाल में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किए गए थे। लेकिन इतनी कवायद का क्या मतलब अगर सांसद या प्रत्याशी या किसी कार्यकर्ता पर हमले की घटनाएं रुके ही नहीं। पहले दौर के मतदान के दिन किस तरह सुवेंदु सरकार को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया था, वो नजारा भी जनता ने देखा है। इन तमाम घटनाओं से साफ है कि प.बंगाल में इस बार भी बिना हिंसा के चुनाव कराने में चुनाव आयोग नाकाम रहा है। अब उसके लिए चाहे किसी भी दल पर दोष डालें उससे आयोग अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो सकता। वैसे केंद्र की सत्ता पर बैठे नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की जिम्मेदारी भी कम नहीं है, लेकिन वो खुद प.बंगाल में डेरा डालकर लगातार उकसाने वाले भाषण देते रहे। अमित शाह ने किस तरह अपनी सभा में एई बंगाल पुलिस कहा था, वो भी सबने देखा है। जब गृहमंत्री इस तरह की शब्दावली का इस्तेमाल करेंगे तो फिर बाकियों से क्या उम्मीद की जाए। वैसे छंटे हुए गुंडों को टिकट देने में भी भाजपा ही सबसे आगे रही है।

श्रम का सम्मान, समानता का संधान: सरकारी-निजी वेतन का समान विधान

> यदि हम निजी क्षेत्र के कामगारों को वह सम्मान और सुरक्षा नहीं दे सकते जो एक सरकारी कर्मचारी को प्राप्त है, तो हम 'एक राष्ट्र, एक अधिकार' के अपने संकल्प से कोसों दूर हैं। श्रम केवल एक वस्तु नहीं है जिसे बाजार में सबसे कम दाम पर बेचा जाए; वह उस व्यक्ति के जीवन के महत्वपूर्ण घंटों का निचोड़ है।

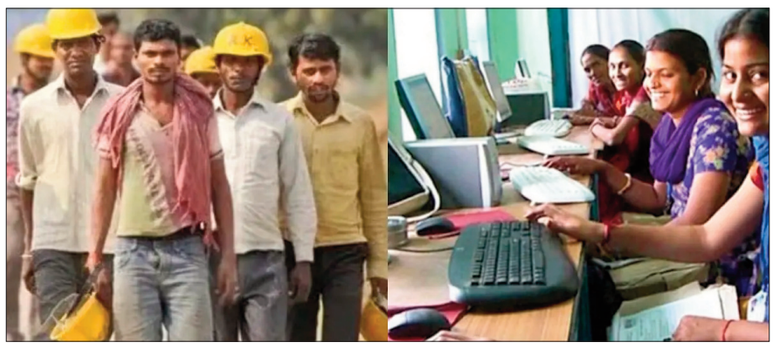

भारतीय श्रम बाजार में सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच न्यूनतम वेतन का भारी अंतर आज एक ऐसा गंभीर सामाजिक और आर्थिक प्रश्न बन गया है जो न केवल संवैधानिक समानता के सिद्धांतों को चुनौती देता है बल्कि एक व्यापक मानवीय संकट की ओर भी संकेत करता है। 28 अप्रैल 2026 के परिदृश्य में, जहाँ भारत अपनी विकास गाथा को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का दावा कर रहा है, वहीं यह विसंगति कि एक ही योग्यता और समान कार्य करने वाले दो कामगारों की सामाजिक सुरक्षा और वेतन संरचना में इतना विशाल अंतर क्यों है, अत्यंत विचारणीय है। क्या निजी क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति कमतर इंसान हैं? क्या श्रम की गरिमा का मापदंड इस बात से तय होना चाहिए कि नियोक्ता कौन है—राज्य या कोई निजी कंपनी? यह प्रश्न अब केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिकता, मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का है। जब हम न्यूनतम वेतन की अवधारणा की बात करते हैं, तो इसका मूल उद्देश्य कामगार को जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं—रोटी, कपड़ा और मकान—के साथ-साथ गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करने का अधिकार देना होता है। सरकारी क्षेत्र में न्यूनतम वेतन का निर्धारण सातवें वेतन आयोग (और समय-समय पर महंगाई भत्तों के समायोजन) के माध्यम से एक निश्चित संरचना के अंतर्गत होता है, जिसमें चिकित्सा, आवास और भविष्य निधि की सुरक्षा पहले से ही सुनिश्चित रहती है। इसके विपरीत, निजी क्षेत्र, विशेषकर असंगठित क्षेत्र और लघु-मध्यम उद्यमों में, न्यूनतम वेतन अक्सर एक ऐसी दर पर स्थिर कर दिया जाता है जो कामगार के सर्वांगीण विकास के लिए अपर्याप्त है। तर्क यह दिया जाता है कि निजी क्षेत्र बाजार की शक्तियों से संचालित होता है, लेकिन क्या बाजार की शक्तियां मानव की बुनियादी जरूरतों के प्रति इतनी संवेदन-हीन हो सकती हैं कि वे जीवन-निर्वाह लागत को ही नजरअंदाज कर दें? क्या निजी क्षेत्र के कामगारों को बाजार में सामान सरकारी कर्मचारियों की तुलना में सस्ता मिलता है? यह एक ऐसा तार्किक प्रश्न है जो पूरी वेतन संरचना की आधारशिला को हिला देता है। महंगाई दर और मुद्रास्फीति सभी के लिए समान है। 2026 के आंकड़ों को देखें तो खाद्य पदार्थों, ईंधन और परिवहन की कीमतें पूरे देश में एकसमान हैं। यदि एक सरकारी कर्मचारी को जीवन निर्वाह के लिए एक निश्चित राशि की आवश्यकता होती है तो निजी क्षेत्र का कामगार, जो उसी बाजार से समान दर पर सब्जियां, दूध, और अनाज खरीदता है, कम वेतन में अपना अस्तित्व कैसे बनाए रखता है? यह आर्थिक विसंगति उसे ऋण के दुष्चक्र में धकेलती है। निजी क्षेत्र के कामगारों को सस्ती और सुलभ शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्राप्त नहीं हैं। सरकारी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को अक्सर सीजीएचएस जैसी स्वास्थ्य योजनाएं और बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा की सुविधाएँ प्राप्त होती हैं, जबकि निजी क्षेत्र के एक सामान्य कामगार को अपनी अल्प आय से ही इन सुविधाओं का बोझ उठाना पड़ता है। यदि वह बीमार पड़ता है, तो वह निजी अस्पतालों के भारी खर्चों में दब जाता है, और यदि उसके बच्चे अच्छी शिक्षा नहीं पाते, तो वह गरीबी के उसी चक्र में पीढ़ी-दर-पीढ़ी फंसा रहता है। यह अंतर केवल आय का नहीं, बल्कि 'अवसर की समानता' का है। जब हम समान कार्य के लिए असमान वेतन देते हैं, तो हम अनजाने में यह संदेश देते हैं कि निजी क्षेत्र का कामगार सरकारी कर्मचारी के समान समाज का सम्मानित नागरिक नहीं है। क्या निजी क्षेत्र के कामगार के स्वास्थ्य, उसके बच्चों के भविष्य और उसके सेवानिवृत्त जीवन की कोई सामाजिक कीमत नहीं है? सरकारी तंत्र में सेवानिवृत्ति के पश्चात पेंशन या प्रोविडेंट फंड की सुरक्षा का एक मजबूत ढांचा है, जबकि निजी क्षेत्र के एक बड़े हिस्से, विशेषकर अनुबंध आधारित कर्मचारियों के लिए भविष्य की अनिश्चितता ही एकमात्र वास्तविकता है। यह भेद एक गहरी सामाजिक खाई पैदा कर रहा है। श्रम कानून यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी कामगार का शोषण न हो, परंतु 'न्यूनतम वेतन' के निर्धारण में आज भी मानवीय गरिमा से अधिक नियोक्ता की 'पे-क्षमता' को महत्व दिया जाता है। इस असंतुलन की विसंगति का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह 'बाजार के लचीलेपन' के नाम पर मानवीय श्रम का अवमूल्यन करती है। यह तर्क दिया जाता है कि निजी क्षेत्र में वेतन 'उत्पादकता' से जुड़ा होता है, परंतु वास्तविक धरातल पर यह देखा गया है कि जो कामगार सबसे अधिक शारीरिक श्रम करते हैं—जैसे निर्माण क्षेत्र, लॉजिस्टिक्स, और विनिर्माण इकाइयाँ—वे ही सबसे कम वेतन पाते हैं। 2026 में भारत का श्रम सांख्यिकी विभाग यह स्पष्ट करता है कि मुद्रास्फीति की दर ने मध्यम और निम्न वर्ग के क्रय मूल्य को बुरी तरह प्रभावित किया है। जब एक तरफ सरकारी वेतन संरचनाएं 'महंगाई सूचकांक' के अनुसार अपने आप को समायोजित कर लेती हैं, वहीं निजी क्षेत्र का वेतन वर्षों तक स्थिर रहता है। यह एक प्रकार का 'आर्थिक भेदभाव' है जो कामगार के जीवन स्तर को संकुचित कर देता है। क्या एक निजी क्षेत्र के कामगार का बच्चा सरकारी कर्मचारी के बच्चे की तुलना में कम प्रतिभाशाली है कि उसे वह पोषण और शैक्षणिक सुविधाएं न मिलें, जो उसके विकास के लिए अनिवार्य हैं? यह प्रश्न हमारी सामाजिक न्याय की नीति पर एक बड़ा धब्बा है। न्यूनतम वेतन की समानता का तर्क किसी भी प्रकार से निजी क्षेत्र के विकास में बाधक नहीं है, बल्कि यह 'उपभोक्ता मांग' को बढ़ाने वाला सिद्ध हो सकता है। अर्थशास्त्र का यह बुनियादी सिद्धांत है कि जब कामगारों के हाथों में अतिरिक्त क्रय शक्ति होती है, तो वे बाजार में निवेश करते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था की गति बढ़ती है। यदि निजी क्षेत्र के करोड़ों कामगारों का न्यूनतम वेतन सरकारी मानकों के अनुरूप एक गरिमापूर्ण स्तर पर लाया जाए, तो भारत के आंतरिक बाजार में खपत का एक नया युग आएगा। यह निजी क्षेत्र के लिए 'लागत' नहीं, बल्कि एक 'निवेश' होगा जो बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा और बेहतर कार्य-क्षमता वाले श्रमबल के रूप में प्रतिफल देगा।

डॉ. शैलेश शुक्ला

कानून व्यवस्था एवं ...

केवल

अयोध्या में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ईको-टूरिज्म का किया जा रहा है विकास

आज के बढ़ते औद्योगिक विकास एवं पर्यावरण में बदलते चक्र से व्यक्ति अपने जीवनशैली में बदलाव लाकर बहुत से गंभीर बीमारियों से छुटकारा पा सकता है। भारतीय जीवनशैली में प्रकृति के साथ ताल-मेल बैठाकर जीने की कला को आदर्श माना गया है। इसी उद्देश्य को लेकर ईको-पर्यटन की अवधारणा सृजित की गई। जिसके अंतर्गत यह परिकल्पना विकसित की गई कि प्रकृति को हानि पहुंचाए बिना मानव एक आदर्श जीवन जी सकता है। उत्तर प्रदेश में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं सृजित की जा रही है, ताकि पर्यटक रमणीय एवं हरियाली से युक्त वातावरण में कुछ समय बिताकर अपनी दिनचर्या में बदलाव ला सकें। राज्य सरकार ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों के लिए उच्च स्तरीय पर्यटक सुविधाओं के सृजन के साथ पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 16 परियोजनाएं शुरू की। सैलानियों एवं प्रकृति प्रेमियों के लिए लखनऊ से दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के बीच 27 सितंबर, 2024 से वायुयान सेवा शुरू की गयी। जो पर्यटकों को कम समय में दुधवा पार्क की सैर करने के लिए में सहायक हो रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक लखनऊ घूमने के बाद दुधवा की तरफ आकर्षित हो रहे है। इसी प्रकार श्री राम नगरी अयोध्या में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ईको-टूरिज्म का विकास किया जा रहा है। अयोध्या में विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय की स्थापना की जा रही है, ताकि अयोध्या आने वाले पर्यटक यहां की ऐतिहासिक धरोहरों तथा

गौरवशाली इतिहास से रूबरू हो सकें। इसके अलावा अयोध्या शोध संस्थान का अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के रूप में उच्चीकरण किया जा रहा है। इस संस्था के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, त्याग, बलिदान एवं मर्यादा को संरक्षित रखकर आगे वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके। अब अयोध्या में रामलला के दर्शन के साथ साथ प्रकृति की हरियाली भी पर्यटको को आकर्षित कर रही है। शहर के कुमारगंज क्षेत्र में स्थित वनस्पति उद्यान को ईको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित करने के लिए परियोजना तैयार की गयी है। इस परियोजना पर लगभग 2.5 करोड़ रूपये की लागत आएगी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल की गयी है। यह विकास कार्य पर्यटन विभाग द्वारा कराया जाएगा। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उ0प्र0 सरकार धार्मिक, पर्यटन के साथ-साथ ईको-टूरिज्म को भी बढ़ावा दे रही है। अयोध्या भगवान श्रीराम की नगरी के रूप में ही विख्यात नहीं है, बल्कि प्रकृति प्रेमियों और पर्यावरण अनुरागियों के लिए भी आकर्षक बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। वनस्पति उद्यान को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि यहां आने वाले पर्यटक प्रकृति का आनंद लेते हुए विशिष्ट अनुभव प्राप्त कर सके। परियोजना के तहत उद्यान में मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया जाएगा, जो आगंतुको का स्वागत करेगा और औद्यानिक क्षेत्र विकसित कर विभिन्न प्रकार के पुष्पो, पौधों और ऐरोमेटिक वनस्पतियों का संग्रह किया जाएगा। यह परियोजना अयोध्या में पर्यटन को नई दिशा देने वाली साबित होगी। भगवान श्रीराम के मंदिर, सरयू नदी एवं अन्य धार्मिक स्थलो के साथ-साथ अब प्रकृति का यह खूबसूरत उद्यान भी पर्यटकों को लुभाएगा। इस उद्यान में बच्चों और प्रकृति प्रेमियों के लिए खास बटरफ्लाई गार्डन बनाई जाएगी जहां रंग-बिरंगी तितलियां पर्यटकों को मोहित करेगी। साथ ही कैफेटेरिया की व्यवस्था होगी, जहां पर्यटक पेय और हल्का भोजन ले सकेंगे। टिकट काउंटर भी स्थापित किया जाएगा ताकि प्रवेश व्यवस्था सुव्यवस्थित रहे। पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वॉक-वे बनाएं जाएंगे जिन पर चलते हुए उद्यान की हरियाली का आनंद लिया जा सकता है। विभिन्न स्थानों पर विश्राम स्थल और गजेबीहट का निर्माण भी किया जाएगा जहां बैठकर पर्यटक आराम कर सकेंगे। इन सुविधाओं से उद्यान न केवल देखने लायक बनेगा, बल्कि आगंतुकों, स्कूल के बच्चों, प्रकृति प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य भी सिद्ध होगा। ईको-टूरिज्म में रोजगार एवं आमदनी की अपार संभावनाएं है। इस उद्यान से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेगे और अयोध्या की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मा0 मुख्यमंत्री जी की पहल से अयोध्या नगर धीरे-धीरे धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पर्यटन का केन्द्र बनता जा रहा है। वनस्पति उद्यान का विकास पूरा होने के बाद यहां सालभर पर्यटकों के आवागमन की संभावना है। यह परियोजना न केवल प्रकृति संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि सतत पर्यटन के मामले में माडल के रूप में विकसित होगी। इसी प्रकार प्रदेश के पक्षी अभ्यारण्यों, वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी, कतर्निया घाट एवं चूका बीच, पीलीभीत आदि स्थलों पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आवागमन की सुविधाएं सृजित की जा रही है। मा0 मुख्यमंत्री योगी जी के मार्गदर्शन में 2017 के बाद उत्तर प्रदेश पर्यटन नया आकार ले रहा है। प्रत्येक जनपद में कोई न कोई पर्यटन विकास की परियोजनाएं संचालित की जा रही है। कानून व्यवस्था एवं कनेक्टिविटी बेहतर होने से उ0प्र0 में पर्यटकों का आवागमन लगातार बढ़ रहा है। धार्मिक सर्किट एवं बौद्धिष्ट सर्किट के अंतर्गत आने वाले पर्यटन स्थलों को नए सिरे से सजाया व संवारा जा रहा है। साथ-साथ ईको-पर्यटन की संभावनाओं को तलाश करते हुए सैलानियों के लिए हरियाली युक्त रमणीक वातावरण सृजित किया जा रहा है।

इस योजना की

सुभाष शिरढोनकर

वकील के किरदार में न्यारा बनर्जी

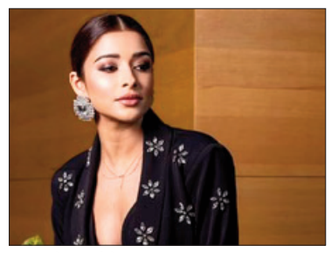

तेलुगू, तमिल और कन्नड़ फिल्म और टी.वी. इंडस्ट्री की एक्ट्रेस न्यारा बनर्जी मधुरिमा बनर्जी के नाम से भी लोकप्रिय हैं। 'दिव्य दृष्टि' (2019-2020), 'पिशाचिनी' (2022-2023) 'चेकमेट' (2024) और खाकीः द बंगाल चैप्टर' (2025) जैसे टेलीविज़न शोज की मुख्य भूमिकाओं के लिए न्यारा को व्यापक रूप से पहचाना मिली। 14 मई 1987 को मुंबई में पैदा हुई न्यारा बनर्जी ने एक्टिंग में आने के पहले कानून की पढ़ाई की थी। एक तरह से कहा जा सकता है कि उन्होंने वकील बनने का रास्ता चुन लिया था लेकिन अचानक उन्हें मॉडलिंग के ऑफर आने लगे और उनके लिए अचानक सब कुछ बदल गया। मॉडलिंग में लोकप्रियता मिलने के बाद न्यारा को तेलुगू फ़िल्म 'आ ओक्कडू' (2009) का ऑफर मिला। इसी के साथ उनका सिनेमाई सफर शुरू हो गया। इस फिल्म में उन्होंने डॉ पवित्रा का शानदार किरदार निभाया जिसे ऑडियंस ने काफी पसंद किया। करियर के शुरूआती साल में ही न्यारा को फिल्म 'टॉस' (2009) के जरिए हिंदी सिने जगत में डेब्यू का अवसर मिला। इसके बाद वह 'कमाल धमाल मालामाल' (2012), 'इश्क ने क्रेजी किया रे' (2015), 'वन नाइट स्टेंड' (2016) और 'अजहर' (2016) जैसी हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इस साल न्यारा बनजी आशुतोष राणा के साथ हिंदी में बनी कॉमेडी फिल्म 'वन टू चा चा चा' (2026) में नजर आईं। फिल्म 'अज़हर' (2016) में न्यारा ने अभिनय के अलावा, फिल्म के निर्देशक टोनी डिसूज़ा को असिस्ट करते हुए सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया। हिंदी फिल्मों के साथ ही साथ न्यारा बनर्जी ने अनेक साउथ की फिल्में भी कीं। भास्कर द्वारा निर्देशित तेलुगू फ़िल्मों 'सरदागा कासेपू' (2010) और 'ऑरेंज' (2010) के अलावा कन्नड़ फ़िल्म 'सवारी 2' (2014) और 'टाइगर' (2027) में न्यारा ने बेहद शानदार किरदार निभाये। कन्नड़ फ़िल्म 'सवारी 2' (2014) में उन्होंने एक बैंक मैनेजर की भूमिका निभाई । मोहनलाल के साथ मलयालम फ़िल्म 'कूथारा' (2014) में उन्होंने एक एनआर-आई, शाइस्ता का किरदार निभाया । न्यारा व्दारा अभिनीत पुरी जगन्नाथ की फ़िल्म 'टेम्पर' (2015) बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त सफल रही। इसके बाद वह तमिल फ़िल्म 'आम्बाला' (2015) में दिखाई दीं। न्यारा ने टीवी सीरियल 'स्काई फायर' (2019) से छोटे पर्दे पर शुरूआत की। उसके बाद वह 'दिव्य दृष्टि' (2019-2020), 'पिशाचिनी' (2022-2023) 'चेकमेट' (2024) और खाकीः द बंगाल चैप्टर' (2025) जैसे शोज के जरिए कामयाबी के शिखर पर पंहुच गईं। वह कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाले शो 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 13' (2023) और 'बिग बॉस 18' (2024–2025) जैसे बड़े रियलिटी शो में भी प्रमुख प्रतिभागी रही । पहले रियलिटी शो में वह 7 वें और दूसरे रियलिटी शो में 20 वें स्थान पर रहीं। न्यारा बनर्जी टीवी शो 'इलज़ाम' में एक वकील का किरदार निभा रही हैं। इस शो के जरिए न्यारा न सिर्फ अपनी अभिनय क्षमता का नया पहलू दिखाने जा रही हैं बल्कि अपने अतीत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को फिर से जी रही हैं, जो उनकी इस भूमिका को और भी खास और दिलचस्प बनाता है। उल्लेखनीय है कि एक वक्त वह वकालत को करियर बनाने की तरफ अग्रसर थीं ऐसे में स्वाभाविक रूप से टीवी शो 'इलज़ाम' का यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि उनकी असल जिंदगी से गहराई से जुड़ा हुआ है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

ललित गर्ग

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की

प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों में नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक 'ट्रिगर पॉइंट' के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा। इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में राजस्थान रॉयल्स (RR) के कप्तान रियान पराग विवाद में फंस गए हैं। मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान वह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीते कैमरे में कैद हुए। लाइव ब्रॉडकास्ट की यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो राजस्थान की बल्लेबाजी के 16वें ओवर का है। इसमें पराग ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल की मौजूदगी में कथित तौर पर ई-सिगरेट पीते दिख रहे हैं। भारत में 2019 से ई-सिगरेट पूरी तरह बैन है, उल्लंघन पर जेल और जुर्माने का प्रावधान है रियान पराग का ई-सिगरेट पीना गलत माना जा रहा है। भारत सरकार ने 'ई-सिगरेट निषेध अधिनियम (PECA) 2019' के तहत वेप्स और ई-सिगरेट के उत्पादन, बिक्री, आयात और विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाया है। उल्लंघन पर जुर्माने और जेल की सजा

का प्रावधान है। ऐसे में एलीट एथलीट और टीम कप्तान का सार्वजनिक मंच पर इसका इस्तेमाल कानून और खेल की मर्यादा का उल्लंघन माना जा रहा है। रियान पराग पहले भी अपने ऑन-फील्ड प्रदर्शन और आक्रामक व्यवहार को लेकर चर्चा में रहे हैं। कप्तानी मिलने के बाद उनसे टीम को स्थिर नेतृत्व देने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन यह विवाद उनके लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के विवाद टीम के ड्रेसिंग रूम माहौल और प्रदर्शन पर असर डाल सकते हैं, खासकर जब टूर्नामेंट अपने अहम चरण में पहुंच रहा हो। मामला तूल पकड़ने के बाद अब राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी और BCCI की निगरानी में आ गया है। हालांकि अभी तक दोनों में से किसी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।सूत्रों के मुताबिक, यदि वीडियो की पुष्टि होती है तो BCCI के एंटी-कोड ऑफ कंडक्ट नियमों के तहत कार्रवाई संभव है।

राजस्थान रॉयल्स के साथ इस सीजन का दूसरा विवाद

राजस्थान रॉयल्स इस IPL सीजन में दूसरी बार प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर चर्चा में है। इससे पहले टीम के मैनेजर रोमी भिंडर डगआउट में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़े गए थे, जो प्लेयर मैच ऑपरेशंस एरिया (PMOA) प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। उस मामले में BCCI ने जांच के बाद मैनेजर पर जुर्माना लगाया था और चेतावनी दी थी। अब कप्तान का वीडियो सामने आने के बाद टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए नजर आए थे।

बीसीसीआई सचिव से जवाब मांगा गया, सख्त कार्रवाई की उम्मीद

इस मामले पर BCCI के सचिव देवजीत सैकिया से प्रतिक्रिया मांगी गई है। माना जा रहा है कि बोर्ड इसे गंभीरता से लेगा। एथलीट के लिए वेपिंग (ई-सिगरेट) स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक है। यह सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है, क्योंकि इसके तत्वों की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। देश में यह प्रतिबंधित है। BCCI कप्तान और फ्रेंचाइजी से जवाब तलब कर सकता है।

> रियान पराग युवा पीढ़ी के रोल मॉडल माने जाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, वेपिंग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे खिलाड़ियों की फेफड़ों की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। भारत में वेपिंग गैर-कानूनी है, इसलिए बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल इस पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपना सकती है। जांच में दोष सिद्ध होने पर पराग पर मैच बैन या जुर्माना लगाया जा सकता है।

आईपीएल के 19वें सीजन में भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड योगदान

भारतीय बैटर्स विदेशियों पर भारी, कुल रन के 69% इनके नाम, स्ट्राइक रेट में अव्वल

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा दिख रहा है। सीजन के शुरुआती 38 मैचों में कुल 13 हजार 100 रन बने हैं। इनमें से भारतीय बल्लेबाजों ने 9066 रन ठोके हैं, जो कि कुल रनों का 69.21% है। यह किसी एक सीजन के शुरुआती 38 मैचों के बाद भारतीय बल्लेबाजों के योगदान का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल इस स्टेज तक 12,858 रन बने थे, जिसमें भारतीय बैटर्स ने 66.25% का योगदान दिया था। IPL के शुरुआती वर्षों में यह आंकड़ा 50% के आसपास रहता था और 2009 में तो यह 47.51% तक गिर गया था। लेकिन इस साल भारतीय बल्लेबाजों ने रनों का जो अंबार लगाया है, उसने विदेशी बल्लेबाजों की चमक फीकी कर दी है। विदेशी बल्लेबाजों ने इस सीजन 30.79% रन (4034) बनाए हैं, जो भारतीय बैटर्स का आधा भी नहीं है। भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ियों ने 2757 रन बनाए हैं, जो किसी भी सीजन के

पहले 38 मैचों के हिसाब से सबसे ज्यादा है। इनका स्ट्राइक रेट 160.48 भी किसी सीजन में सर्वश्रेष्ठ रहा है। स्ट्राइक रेट के मामले में टॉप-11 में से चार अनकैप्ड भारतीय हैं। प्रियांश ने 249.01 के स्ट्राइक रेट से गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाई हैं, जबकि वैभव 234.86 के स्ट्राइक रेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। प्रभसिमरन और आयुष म्हात्रे ने दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। इस सीजन में अनकैप्ड भारतीयों ने 6 बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीता है, जो एक नया रिकॉर्ड है।

फास्ट न्यूज़

लमान के पुराने ट्वीट पर राजस्थान रॉयल्स का मजेदार जवाब

मुंबई। IPL 2026 का 40वां मैच जीतने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सलमान खान के पुराने ट्वीट का मजेदार जवाब दिया। दरअसल, मंगलवार को महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। जीत के बाद राजस्थान ने सोशल मीडिया पर क्रिकेटर डोनोवन फरेरा का एक वीडियो पोस्ट किया।

ईरान युद्ध के बीच पहली बार होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा एलएनजी टैंकर

होर्मुज। ईरान युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से पहली बार एक LNG टैंकर का गुजरना बड़ी घटना बनकर सामने आया है। यूएई की ADNOC द्वारा संचालित एक प्रतिबंधित LNG टैंकर ने 28 फरवरी को युद्ध के बाद पहली बार इस संवेदनशील जलमार्ग को पार किया है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, यह टैंकर अब भारत के पास पश्चिमी तट के नजदीक दिखाई दे रहा है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा व्यापार में नए संकेत मिल रहे हैं। यह टैंकर, जिसका नाम सार्वजनिक रूप से घोषित नहीं किया गया है, 136,357 क्यूबिक मीटर क्षमता वाला है। इसे आखिरी बार 30 मार्च को खाड़ी क्षेत्र में देखा गया था, और अब यह भारत के पास पहुँच चुका है। इससे यह भी साफ होता है कि कुछ हफ्तों तक सिग्नल न मिलने के बाद, इसने होर्मुज जलडमरू-मध्य को पार किया है।

जोमैटो का मुनाफा 346% बढ़कर 174 करोड़ रहा

मुंबई। फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी इटरनल यानी जोमैटो ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 17,634 करोड़ रुपए की कुल कमाई की। यह पिछले साल के मुकाबले 184% बढ़ी है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 6,201 करोड़ रुपए की कमाई की थी। कुल कमाई में से सैलरी, टैक्स, कच्चे माल की कीमत जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 174 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे।

राजपाल यादव को मिली सलमान खान की फिल्म

चेक बाउंस केस का मजाक उड़ने पर भाईजान का मिला था सपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

राजपाल यादव ने सलमान खान और नयनतारा स्टारर फिल्म SVC63 की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में राजपाल सलमान के राइट-हैंड मैन की अहम भूमिका निभाएंगे। ऐसा दावा बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, राजपाल यादव का किरदार सिर्फ सपोर्टिंग नहीं, बल्कि कहानी के सबसे जरूरी हिस्सों में से एक है। मेकर्स का मानना है कि राजपाल इस भूमिका के लिए बेस्ट हैं और सलमान खान भी उन्हें इस रोल के लिए सही पसंद मानते हैं। हालांकि, राजपाल की शूटिंग मई से शुरू होने वाली थी, लेकिन उन्होंने तय समय से पहले ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी। उनके किरदार में कॉमिक एंगल भी होगा, जो फिल्म के सीरियस एक्शन टोन के बीच हल्का मनोरंजन जोड़ेगा। इस फिल्म से सलमान पहली बार एक्ट्रेस नयनतारा, डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म को अस्थायी नाम SVC63 दिया गया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म ईद 2027 पर रिलीज होगी। राजपाल यादव हाल ही में अक्षय कुमार स्टारर और प्रियदर्शन डायरेक्टेड फिल्म भूत बांग्ला में नजर आए, जो 17 अप्रैल, 2026 को थिएटर में रिलीज हुई।

यश की टॉक्सिक रिलीज दूसरी बार टली

फिल्म 4 जून को नहीं आएगी, धुरंधर 2 के बाद क्या अब ओटीटी राइट्स के चलते मुश्किल बढ़ी?

मुंबई, एजेंसी

यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट एक बार फिर टाल दी गई। अब फिल्म 4 जून को नहीं रिलीज होगी और अभी नई डेट घोषित नहीं की गई है। ऐसे समय में, जब भारतीय सिनेमा अपनी नई पहचान बना रहा है और बड़े मंच पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम लेवल को और ऊंचा करें। एक अभिनेता-निर्माता के रूप में, मैं इस पल को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री और हम सभी के लिए अपना योगदान देने का मौका मानता हूं, ताकि हमारी फिल्म दुनिया तक उसी असर के साथ पहुंचे, जिसकी वह हकदार है।हर कदम पर और हर बदलाव के दौरान, आपका साथ मेरे साथ बना रहा और इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। कुछ कहानियां धैर्य मांगती हैं। कुछ सफर इसकी जरूरत रखते हैं। हम वादा करते हैं कि हम आपको ऐसी फिल्म देंगे जिसे आप एंजॉय भी करें

और सेलिब्रेट भी एक ऐसी फिल्म, जो भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल बनेगी।– यश वहीं, 27 अप्रैल को M9 News ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि टॉक्सिक की 4 जून की डेट भी आगे खिसक जाएगी और इसका एक कारण OTT राइट्स डेडलॉक भी सामने आया था। प्रोड्यूसर्स (KVN Productions) डिजिटल राइट्स के लिए 250 करोड़ रुपए मांग रहे हैं, लेकिन OTT प्लेटफॉर्म्स सिर्फ 110 करोड़ रुपए के आसपास ऑफर कर रहे हैं। यह अंतर इतना बड़ा है कि डील अटकी हुई है। शुरुआत से ही फिल्म का VFX और ऑडियो क्वालिटी भी फिल्म की रिलीज को लेकर इश्यू है।

> यश के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट किया गया, कुछ फिल्में हम बनाते हैं और कुछ फिल्में हमें यह याद दिलाती हैं कि हमें सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। 'टॉक्सिक' ऐसी ही एक यात्रा रही है।सिनेमाकॉन में अपनी फिल्म को पेश करना और दुनिया भर से मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स देखना, इस बात को फिर से साबित करता है जिस पर हमें हमेशा भरोसा था कि यह फिल्म पूरी दुनिया में अपनी पूरी क्षमता के साथ पहुंचने की हकदार है।'टॉक्सिक' पूरी तरह तैयार है और इस समय हम इसकी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को सही तरीके से तय कर रहे हैं।

दूसरी बार फिल्म की रिलीज टली

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब फिल्म की रिलीज डेट टली है। फिल्म की ओरिजिनल रिलीज डेट 19 मार्च 2026 थी, जिसे 4 जून 2026 पर शिफ्ट किया गया था। मेकर्स ने आधिकारिक बयान में कहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रहे टेंशन की वजह से सिनेमा के काम पर असर पड़ रहा है, जिसकी वजह से यह फैसला लिया गया। वहीं, इसका दूसरा कारण यह भी कहा गया था कि फिल्म टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज होने पर रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 से क्लैश करने वाली थी।

ट्रम्प ने कहा था- वर्ल्ड वॉर में हमने मदद की वरना यूरोप जर्मन बोलता

किंग चार्ल्स का तंज-हम न होते तो अमेरिकी फ्रेंच बोलते

वॉशिंगटन, एजेंसी

किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर ब्रिटिश न होते तो आज अमेरिकी फ्रेंच बोल रहे होते। इससे पहले जनवरी में दावोस समिट के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों और उनके सहयोग को लेकर एक बयान दिया था। ट्रम्प ने कहा था कि दूसरे विश्व युद्ध में अगर अमेरिका ने बड़ी भूमिका न निभाई होती तो आज यूरोप का नक्शा और वहां की भाषा दोनों अलग होते। उनके मुताबिक उस समय जर्मनी और जापान काफी ताकतवर थे। अगर उन्हें रोका नहीं जाता तो वे कई

देशों पर कब्जा कर सकते थे। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिका मदद के लिए नहीं आता तो आज आप लोग जर्मन और थोड़ा जापानी बोल रहे होते।' इस बयान के जरिए ट्रम्प यह बताना चाहते थे कि अमेरिका ने युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी और यूरोप की आजादी बनाए रखने में बड़ा योगदान दिया था।

चार्ल्स ने व्हाइट हाउस जलाने का किस्सा भी याद दिलाया

किंग चार्ल्स ने व्हाइट हाउस में हुए बदलावों पर भी ट्रम्प पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ईस्ट विंग में बहुत 'रीएडजस्टमेंट' हो रहे हैं। ट्रम्प ने 400 मिलियन डॉलर का बड़ा बॉलरूम बनाने के लिए पुराने हिस्से को गिरा दिया है। इस पर चार्ल्स ने हंसते हुए कहा, "हमने भी 1814 में व्हाइट हाउस के रियल एस्टेट डेवलपमेंट की अपनी कोशिश की थी।" असल में वह 1814 की घटना याद दिला रहे थे, जब ब्रिटिश सैनिकों ने व्हाइट हाउस को आग लगा दी थी।

किंग चार्ल्स डिनर पार्टी में बोलते हुए। उनके ठीक आगे डोनाल्ड ट्रम्प बैठे हैं।

साथ ही, वे यह भी संकेत दे रहे थे कि आज भी यूरोप अपनी सुरक्षा के लिए काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर है।

> चार्ल्स ने कहा- आपने हाल ही में कहा था कि अगर अमेरिका नहीं होता तो यूरोपीय देश जर्मन बोल रहे होते। तो मैं यह कहने की हिम्मत करता हूं कि अगर हम (ब्रिटिश) नहीं होते तो आप लोग फ्रेंच बोल रहे होते।

पाकिस्तान में गुब्बारों में एलपीजी भरकर खाना बना रहे लोग

किल्लत की वजह से लोग ऐसा करने पर मजबूर

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान के कराची शहर में गैस की भारी कमी के कारण लोग अब प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरकर खाना बनाने को मजबूर हो गए हैं। ARY न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से LPG किल्लत की वजह से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। यह खतरनाक तरीका खास तौर पर कराची के ओरंगी टाउन इलाके में देखा गया है, जिसमें मोमिनाबाद भी शामिल है। वहां के लोगों का कहना है कि अनियमित गैस सप्लाई के कारण उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक लोग खास तरह के प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरते हैं। जब थोड़ी देर के लिए गैस सप्लाई आती है, तब इन गुब्बारों को भर लिया जाता है और बाद में दिनभर इन्हीं का इस्तेमाल करके खाना बनाया जाता है। ये गुब्बारे स्थानीय बाजार में भी करीब 1000 से 1500 रुपए में मिल रहे हैं। एक्सपर्ट्स ने इस तरीके को बेहद खतरनाक बताया है।

सेफ्टी एनालिस्ट्स का कहना है कि प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरना 'मोबाइल बम' जैसा है, क्योंकि हल्की सा घर्षण, गर्मी या चिंगारी भी बड़ा विस्फोट करा सकती है। घरों के अंदर ऐसे गैस से भरे गुब्बारे रखना आग लगने के खतरे को बढ़ाता है। खासकर घनी आबादी वाले इलाकों में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है, जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सप्लाई पर दबाव बढ़ा हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के कारण ऊर्जा सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट जैसे अहम रास्तों पर भी असर पड़ा है।

बढ़त : चांदी ₹2,370 महंगी होकर ₹2.39 लाख किलो पर पहुंची, 10 ग्राम सोना ₹1.49 लाख का हुआ

सोना-चांदी के दाम में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 29 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 39 रुपए महंगा होकर 1,48,821 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1,48,782 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं एक किलो चांदी 2,370 रुपए महंगी होकर 2,38,911 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 28 अप्रैल को इसकी कीमत 2,36,541 लाख रुपए प्रति किलो थी। इस साल चांदी 10 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल चांदी की कीमतों में करीब 10 हजार रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।31 दिसंबर 2025 को चांदी का भाव 2.30 लाख रुपए प्रति किलो

था, जो अब बढ़कर 2.39 लाख रुपए तक पहुंच चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता और औद्योगिक मांग बढ़ने के कारण चांदी की कीमतों में तेजी बनी हुई है। वहीं सोने में भी सुरक्षित निवेश की मांग बनी हुई है, जिससे कीमतें स्थिर रूप से ऊपर जा रही हैं।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्ट: असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्ट: सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।

स्मेल टेस्ट: असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।

क्लॉथ टेस्ट: चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

सोना इस साल 16 हजार और चांदी 9 हजार रुपए महंगी

2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.49 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

मई में 12 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने यानी मई में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 12 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। RBI की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 5 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। महीने की शुरुआत यानी 1 मई को छुट्टी से होगी।

महाराष्ट्र दिवस, बुद्ध पूर्णिमा और मजदूर दिवस (लेबर डे) पर देश में लगभग सभी जगह बैंक के कारण बंद रहेंगे। यहां देखें मई 2026 में आपके राज्य या लोकेशन में बैंक कब-कब बंद रहेंगे... आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और ATM के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं।

इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। मई 2026 में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 10 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 1 मई को महाराष्ट्र दिवस और 28 मई को बकरीद पर भी बंद रहेगा।

गुटखा और तंबाकू के प्लास्टिक पाउच पर रोक लगेगी

इको-फ्रेंडली मटेरियल से पैकिंग अनिवार्य करने की तैयारी, एफएसएसएआई ने ड्राफ्ट पेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी

अब जल्द ही आपको गुटखा, तंबाकू और पान मसाला के प्लास्टिक पाउच नजर नहीं आएंगे। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने कहा कि पान मसाला की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक मटेरियल को अब कागज, पेपरबोर्ड, सेल्युलोज और अन्य इको-फ्रेंडली मटेरियल से बदला जाएगा। इसके लिए FSSAI ने मंगलवार को खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) विनियमन 2018' में संशोधन के लिए एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस ड्राफ्ट 'प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम 2026' पर अगले 30 दिन तक स्टेकहोल्डर्स से राय और आपत्तियां मांगी गई हैं। इसके बाद इस नियम को अंतिम रूप दिया जाएगा। नए प्रस्ताव के अनुसार, गुटखा,

पान मसाला और तंबाकू के किसी भी पैकेज में किसी भी रूप में प्लास्टिक मटेरियल का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। इसमें 'विनाइल एसीटेट-मेलिक एसिड-विनाइल क्लोराइड कोपोलिमर' जैसे केमिकल युक्त मटेरियल पर भी पाबंदी होगी। FSSAI ने सलाह दी है कि अब प्लास्टिक पाउच की जगह कागज, गत्ते (पेपरबोर्ड) और सेल्युलोज जैसे नेचुरल सामान का इस्तेमाल किया जाए। रेगुलेटर का कहना है कि ये चीजें खाने-पीने का सामान पैक करने के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं। साथ ही, कंपनियों के लिए भी इन नए मटेरियल को अपनाना और इस्तेमाल करना आसान होगा स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार, जो निर्माता पाउच के बजाय टीन या कांच के कंटेनर्स का उपयोग कर रहे हैं, वे उसे जारी रख पाएंगे। इससे मैन्युफैक्चरर्स को अपनी कमर्शियल जरूरतों के हिसाब से फ्लेक्सिबिलिटी मिलेगी, बशर्ते वे रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के भीतर हों।नई दिल्ली, एजेंसी अब जल्द ही आपको गुटखा, तंबाकू और पान मसाला के प्लास्टिक पाउच नजर नहीं आएंगे। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने कहा कि पान मसाला की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक मटेरियल को अब कागज, पेपरबोर्ड, सेल्युलोज और अन्य इको-फ्रेंडली मटेरियल से बदला जाएगा।

संगठन विस्तार के तहत व्यापार प्रकोष्ठ को मिली नई मजबूती, मनोज मिश्रा बने आप व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

व्यापारियों की आवाज़ को मजबूती से उठाएगी आम आदमी पार्टी : संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (AAP) उत्तर प्रदेश ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए व्यापार प्रकोष्ठ की कमान नए नेतृत्व को सौंप दी है। पार्टी ने मनोज मिश्रा को व्यापार प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह निर्णय प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह की स्वीकृति के बाद लिया गया है। पार्टी का मानना है कि इस कदम से व्यापारी वर्ग से जुड़े मुद्दों को अधिक प्रभावी ढंग से उठाया 6जा सकेगा। प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने इस नियुक्ति पर कहा कि आम आदमी पार्टी हमेशा से व्यापारियों के हितों की आवाज़ उठाती रही है और आगे भी यह लड़ाई और तेज़ होगी। उन्होंने कहा कि संगठन को हर ज़िले और हर बाज़ार तक मज़बूत किया जाएगा, ताकि व्यापारियों की

समस्याओं को सीधे सरकार के सामने उठाया जा सके और उनका समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी व्यापारियों पर हो रहे किसी भी प्रकार के अन्याय और शोषण के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगी। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियाँ हमेशा जनहित और पारदर्शिता पर आधारित रही हैं और वह इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर प्रदेश के व्यापारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार प्रकोष्ठ को हर ज़िले और हर बाज़ार तक मज़बूत किया जाएगा ताकि व्यापारी वर्ग की समस्याओं का समाधान प्रभावी ढंग से किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि आज प्रदेश का व्यापारी वर्ग कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है।

> 66 पार्टी ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में प्रदेश भर में व्यापारियों के मुद्दों को लेकर व्यापक अभियान चलाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रम भी किए जा सकते हैं। आप का कहना है कि उसका लक्ष्य हर वर्ग-व्यापारी, किसान, युवा और शिक्षक-तक अपनी पहुंच बढ़ाकर उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना है।

संगठन विस्तार की रणनीति

पार्टी नेतृत्व का कहना है कि यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि एक रणनीतिक विस्तार का हिस्सा है। AAP का लक्ष्य है कि व्यापार प्रकोष्ठ को प्रदेश के हर जिले और बाजार तक मजबूत किया जाए। संजय सिंह ने कहा कि पार्टी हमेशा व्यापारियों के हितों की आवाज़ उठाती रही है और आगे भी इसे और मजबूती दी जाएगी। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के साथ किसी भी तरह के अन्याय के खिलाफ पार्टी संघर्ष करेगी। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ व्यापारियों के हितों के लिए काम करेंगे।

व्यापारियों के मुद्दों पर फोकस

आम आदमी पार्टी ने साफ किया है कि प्रदेश में व्यापारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें कर प्रणाली, प्रशासनिक दबाव, भ्रष्टाचार और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे प्रमुख हैं। पार्टी का उद्देश्य इन समस्याओं को एक मजबूत मंच पर लाकर समाधान की दिशा में काम करना है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियां पारदर्शिता और जनहित पर आधारित हैं और वे इन्हीं मूल्यों के आधार पर संगठन को मजबूत करेंगे।

6 की मौत, 3 महिलाओं के टुकड़े हुए

एक का सिर कटकर दूर गिरा, बच्चे का मुंडन कराने जा रहा था परिवार

- हादसे में तीन महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई। बोलेरो में ड्राइवर सहित 11 लोग सवार थे।
- गांववालों की मदद से घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला गया। शवों को पॉलिथीन में भरकर पोस्टमॉर्टम को भेजा गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में बुधवार को हुए सड़क हादसे में 5 महिलाओं और ड्राइवर की मौत हो गई। मरने वालों में देवरानी-जेठानी और उनकी 2 बेटियों के अलावा पड़ोसी महिला भी शामिल है। हादसे में एक महिला का सिर धड़ से अलग हो गया, दो अन्य महिलाओं के शरीर टुकड़ों में बंट गए। चीख-पुकार सुनकर लोग पहुंचे तो सड़क किनारे 6 फीट नीचे लाशों का ढेर पड़ा था। खून से सने बॉडी पार्ट्स बिखरे पड़े थे। 2 बच्चों समेत 5 लोगों की हालत गंभीर थी। दरअसल, तेज रफ्तार बोलेरो ओवरटेक करने के चक्कर में आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। उसी दौरान

पीछे से आ रहे ट्रक ने भी बोलेरो को टक्कर मार दी। दोनों ट्रकों के बीच फंसकर बोलेरो बुरी तरह पिस गई। इसके बाद बोलेरो और पीछे चल रहा ट्रक सड़क किनारे 6 फीट नीचे जाकर पलट गए। बोलेरो में 11 लोग सवार थे और बच्चे का मुंडन कराने चंडीदेवी मंदिर जा रहे थे। सीएम योगी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के घरवालों को 2-2 लाख रुपए देने का ऐलान किया। हादसा सुबह करीब 10.30 बजे जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर उन्नाव-रायबरेली मार्ग पर हुआ। पठई थाना क्षेत्र के मौरावां गांव में रहने वाले सूरज सिंह के 3 साल के बेटे शुभ का बुधवार को मुंडन था। एक बोलेरो गाड़ी से परिवार के 10 लोग बक्सर गांव के चंडीदेवी मंदिर जाने के लिए सुबह निकले थे। बिहार थाना क्षेत्र के कीरतपुर गांव के पास ओवरटेक के चक्कर में बोलेरो आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। अचानक हुई इस टक्कर से बोलेरो की स्पीड कम हो गई और पीछे से आ रहे ट्रक ने भी उसमें ठोकर मार दी। इससे बेकाबू होकर बोलेरो सड़क किनारे करीब 6 फीट नीचे गहराई में गिरकर पलट गई। टक्कर के बाद पीछे चल रहा ट्रक ड्राइवर भी स्टीयरिंग से नियंत्रण खो बैठा। उसका ट्रक भी सड़क किनारे गहराई में जा गिरा। ट्रक बोलेरो को कुचलते हुए आगे जाकर पलट गया।

फास्ट न्यूज

सिपाही की पिटाई से युवक का हाथ टूटा

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र में किराए के विवाद के दौरान डॉयल-112 पर सूचना मिलने के बाद पहुंचे एक सिपाही ने ग्राहक की बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोप है कि लात-घूंसों से पिटाई से ग्राहक का हाथ टूट गया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मंगलवार को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई की।

मुरादाबाद में बिजली कटौती से पब्लिक बेहाल

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक तरफ पारा 40 डिग्री को छूने को बेताब है तो दूसरी ओर बिजली व्यवस्था चौपट हो चुकी है। मुरादाबाद में लगातार हो रही बिजली कटौती से पब्लिक बेहाल है। कई इलाकों में पूरी-पूरी रात बिजली गायब है तो शहर के कई हिस्सों में सुबह 5 बजे से ठप हुई सप्लाई दोपहर 3 बजे तक भी शुरू नहीं हो सकी है। मानसरोवर कालोनी, बुद्धि विहार, कांशीराम नगर, लाइनपार, मिलन विहार समेत शहर के कई हिस्सों में रात में बिजली करीब 4 घंटे के लिए गुल रही। बीच-बीच में हो रही ट्रिपिंग से उपभोक्ता परेशान हैं। हर आधे घंटे की सप्लाई के बाद ब्लैक आउट होने से पब्लिक चिलचिलाती गर्मी में बेहाल हो चुकी है। पीतल बस्ती, एकता कालोनी और कांठ रोड की कई कालोनियों का हाल भी ऐसा ही है। इसके अलावा शहर के कई हिस्से ऐसे हैं जहां सुबह से बिजली गायब है।

पीएम के ट्रांजिट विजिट पर लखनऊ में ट्रैफिक अलर्ट

लखनऊ। लखनऊ में आज 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमौसी एयरपोर्ट ट्रांजिट विजिट को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। एयरपोर्ट से लेकर आगरा एक्सप्रेसवे तक सुरक्षा के चलते कई रूटों पर डायवर्जन लागू रहेगा। मंगलवार शाम 6 बजे से ही भारी वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। पीएम मोदी के लौटने तक यह व्यवस्था लागू रहेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे बना विकास का नया मार्ग

हापुड़ में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने जनता संग देखा लोकार्पण प्रसारण

तमसा संकेत, संवाददाता

हापुड़ / लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं प्रभारी मंत्री हापुड़ कपिल देव अग्रवाल ने जनपद हापुड़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनपद हरदोई से 594 किलोमीटर लंबे मेरठ-प्रयागराज गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण का सजीव प्रसारण बहापुर गढ़ स्याना रोड पर बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह के साथ देखा। मंत्री अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला ऐतिहासिक प्रकल्प है। उन्होंने बताया कि इस एक्सप्रेसवे के चालू होने से मेरठ से प्रयागराज की यात्रा, जो पहले 12 से 14 घंटे में पूरी होती थी, अब मात्र 6 से 7 घंटे में पूरी की जा सकेगी। इससे आम नागरिकों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा,

वहीं व्यापार और आवागमन को नई गति प्राप्त होगी।उन्होंने कहा कि मेरठ के बिजौली ग्राम से प्रारंभ होकर प्रयागराज तक जाने वाला यह एक्सप्रेसवे प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे है, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी सेवाएं तथा लड़ाकू विमानों के लिए एयर स्ट्रिप की व्यवस्था शामिल है। यह परियोजना प्रदेश के 12 जनपदों को सीधे लाभान्वित करते हुए औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा देगी तथा बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करेगी।

बीबीएयू के वीसी का गेट ठेलकर घुसे हजारों स्टूडेंट

रात में नारेबाजी कर हंगामा, इस्तीफा मांगा, छात्रा की मौत के बाद आक्रोश

- वीसी आवास का गेट जब सुरक्षाकर्मी नहीं खोल रहे थे तो स्टूडेंट्स जबरदस्ती ठेलते हुए अंदर घुस गए।
- प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बताया है कि करीब ढाई हजार की भीड़ वीसी आवास के बाहर इकट्ठा हुई थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ की बाबासाहब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी (BBAU) में छात्रों ने बवाल कर दिया। वो मंगलवार आधी रात को वीसी प्रोफेसर आरके मित्तल से मिलने की जिद करने लगे। उन्हें जब रोका गया तो पूरी यूनिवर्सिटी के छात्र वीसी आवास के बाहर इकट्ठा हो गए। आवास के बंद गेट को जबरदस्ती खोलते हुए अंदर घुस गए। हालांकि, अंदर वीसी नहीं मिले। वह कैंपस से कहीं बाहर थे।

छात्रों यह आक्रोश इंटीग्रेटेड बेसिक साइंस की फर्स्ट ईयर स्टूडेंट अनामिका सिंह की मौत के बाद फैला। स्टूडेंट्स का कहना है कि अनामिका को हॉस्टल का खाना खाने के बाद फूड पॉइजनिंग हुई थी। उसका इलाज 5 दिन से वाराणसी में चल रहा था। मंगलवार शाम उसकी जान चली गई। यह मौत यशोधरा हॉस्टल और मेस के जिम्मेदारों की लापरवाही से हुई। अनामिका की मौत की सूचना मिलते ही नाराज विश्वविद्यालय के छात्र और छात्राएं छात्रावास से बाहर आकर कुलपति आवास पहुंचे और मेस में खराब खाना परोसे जाने का आरोप लगा हंगामा शुरू कर दिया। कुछ ही देर में विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुरक्षागार्ड बुला लिए।

छात्रा बोली- हर मेस के खाने में कीड़े मिलते हैं

छात्रा वंशिका चौबे ने बताया- यहां के हर मेस के खाने में कीड़े मिलते हैं। कहीं भी शिकायत नहीं सुनी गई। वार्डन से लेकर ऊपर तक हमने शिकायत की। एक 15 साल की लड़की की मौत हो गई केवल दूषित खाना खाने से। यह नॉर्मल मौत नहीं, संस्था की तरफ से की गई हत्या है। हम लोग बात उठाने आए तो हमारे लिए सिक्योरिटी गार्ड बुला लिये गए गए। हम पर गार्डों ने लाठीचार्ज किया। पुरुष सुरक्षा गार्ड आए और लड़कियों पर उन्होंने लाठियां बरसाईं।

जब तक वीसी बात नहीं करेंगे, धरना चलता रहेगा

छात्रा दीक्षा ने कहा- यहां जब भी कोई बात होती है तो महज 10 मिनट में पुलिस पहुंच जाती है। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से कोई सामने बात तक करने के लिए नहीं आता। स्टूडेंट्स से बात करने अभी तक विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से कोई भी सामने नहीं आया। जब तक खुद कुलपति आकर बात नहीं करते, यह धरना जारी रहेगा। विश्वविद्यालय का खाना ही नहीं, पानी भी खराब है।

स्टूडेंट्स का कहना है कि अनामिका तबीयत खराब होने पर 5 दिन पहले विश्वविद्यालय से छुट्टी लेकर वाराणसी स्थित अपने घर चली गई थी। एक स्टूडेंट ने बताया- अनामिका ने छात्रावास के दोस्तों को बताया था।

पीएनजी पाइपलाइन लीकेज से घर के बाहर लगी आग

बिजली तार भी जले, लोग बोले- डेढ़ घंटे बाद पहुंची फायर टीम

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के आवास विकास-1 में बुधवार सुबह पीएनजी गैस पाइपलाइन में लीकेज होने से एक घर के बाहर आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पास के घर के बाहर लगे बिजली के तारों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बिजली लाइन काटनी पड़ी। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आवास विकास निवासी और ग्रामीण बैंक से रिटायर्ड रामचंद्र शर्मा ने बताया कि वह सुबह करीब पांच बजे टहलने निकले थे। करीब सात बजे लौटने पर उन्होंने घर के बाहर गैस लीकेज के कारण आग की लपटें उठती देखीं। उन्होंने तुरंत पीएनजी के टोल फ्री नंबर पर कॉल किया, लेकिन काफी देर तक कॉल रिसीव नहीं हुआ। स्थिति बिगड़ने

पर उन्होंने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई और सिपाहियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, फायर ब्रिगेड की गाड़ी करीब डेढ़ घंटे बाद पहुंची, तब तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका था। आग की तीव्रता को देखते हुए मौके पर जेसीबी बुलाकर गीली मिट्टी डाली गई, जिससे आग पर काबू पाया गया। कुछ देर बाद पीएनजी कंपनी के कर्मचारी भी पहुंचे और एहतियातन करीब 6 किलोमीटर तक गैस सप्लाई बंद कर दी गई। इसके बाद स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आई। रामचंद्र शर्मा ने घटना की जानकारी जिलाधिकारी जितेंद्र सिंह को भी फोन पर दी। इसके बाद फजलगंज फायर स्टेशन को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए गए। फायर कर्मचारियों के अनुसार, एक गाड़ी रावतपुर स्थित स्वराज्य इंडिया पब्लिक स्कूल के पास खराब हो गई थी, जिसके कारण दूसरी गाड़ी को बुलाना पड़ा और पहुंचने में देरी हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस ने तुरंत पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिया था, लेकिन फायर ब्रिगेड और पीएनजी कर्मचारियों के देर से पहुंचने के कारण स्थिति कुछ समय तक बेकाबू बनी रही। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है।

हादसा : 7 फ्लोर को चपेट में लिया, लोग भागे, घर जलता देख महिलाएं फूट-फूटकर रोईं

15 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बुधवार सुबह 8.30 बजे 15 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी के टावर-डी में 9वें फ्लोर पर लगी। देखते ही देखते आग ने 7 मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार करीब 5 किमी दूर से दिखाई दे रहा था। गनीमत रही कि फ्लैट में रहने वाले लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आए। सीढ़ियों से नीचे की ओर भागे। अपना घर जलते देखकर महिलाएं फूट-फूटकर रो पड़ीं। सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। धुएं की वजह से कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। उन्हें तुरंत ही अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास में जुट गईं। बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में लगी आग

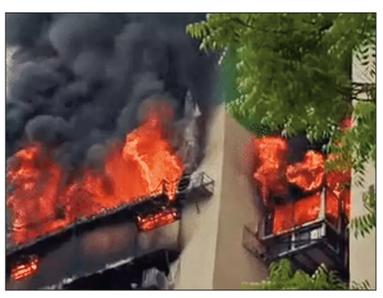

पर काबू पाने के लिए हाइड्रोलिक क्रेन की मदद ली गई। बगल की बिल्डिंग के लोग भी पाइप से आग बुझाने में जुट गए। इस बीच, सीएम योगी ने घटना का संज्ञान लेकर अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा- मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस कमिश्नर, डीएम को भी मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। करीब 3 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। एम्बुलेंस और पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद हैं।

सोसाइटी के लोग बोले- जिस फ्लैट में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था, वहीं आग लगी

सोसाइटी के लोगों ने बताया- गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में कुल 6 टावर हैं। करीब 600 फ्लैट हैं। जिसकी कीमत डेढ़ से ढाई करोड़ है। टावर-डी के एक फ्लैट में कुछ कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। आग वहीं लगी। सबसे पहले बालकनी से आग की लपटें दिखाई दीं। AC और इलेक्ट्रॉनिक आइटम की वजह से आग और भड़क गई और फैलने लगी। उन्होंने बताया- फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। थोड़ी देर में 2 गाड़ियां मौके पर पहुंची। लेकिन, आग 9वीं मंजिल पर होने की वजह से आग बुझाने में दिक्कतों को सामना करना पड़ा। इसके बाद हाइड्रोलिक क्रेन मंगाई गई।

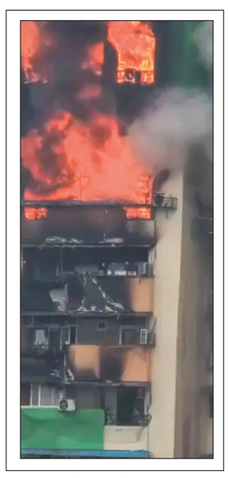

डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने बताया- आग पर काबू पा लिया गया है। कुल 60 लोग आग में फंस गए थे। सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं। एक महिला और एक बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

बड़े घर की माताएं...

जब कई माताएं ही विचित्र संस्कारों वाली हो जाएंगी तो बच्चों को क्या हलुआ संस्कार देंगी? हम तो सोच रहे हैं कि जिनकी घरवालियां पीती हैं, उनके कल के दिन बच्चे होंगे...वो बच्चे रोएंगे तो उन्हें भी शराब पिलाकर सुला देंगी। इस बयान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सदस्य दीप्ति पांडे ने कहा- सृष्टि की सृजनकर्ता एक नारी ही होती है। वो मां है, जो बच्चे की प्रथम गुरु है। मातृ शक्ति के लिए इस तरह की भाषा का उपयोग करने का मैं विरोध करती हूं। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा- धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी, मैं आपसे निवेदन करती हूं कि मातृ शक्ति के खिलाफ इस तरह की भाषा का उपयोग करना बंद कर दें। आपने महिलाओं के खिलाफ अब कोई अनर्गल टिप्पणी की तो हमें आपके खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़ेगा। कथावाचक प्रदीप मिश्रा भी नवंबर 2022 में ऐसा ही बयान दे चुके हैं। इंदौर में शिव पुराण कथा के दौरान पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा था कि विजय नगर से शादी चौराहे के बीच उन्हें एक शराब की दुकान दिखी। यहां पर छोरों (लड़कों) से ज्यादा छोरियां (लड़कियां) थीं।

हमें देखते ही लोग...

आज लाखों लोग रामलला के दर्शन कर रहे हैं। इससे पहले योगी हेलिकॉप्टर से महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद हनुमानगढ़ी मंदिर गए और वहां दर्शन-पूजन किया। वहीं, योगी से पहुंचने से ठीक पहले महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रस्थान द्वार D-2 का शीशा तेज हवा से टूट गया। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन ने तत्काल उसे हटाकर नया शीशा लगवाया। योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने जब इस आंदोलन को अपने हाथ में लिया तो आंदोलन और बढ़ता गया। इस आंदोलन में जाति की दीवार टूटी है। हम लोग आज भी इसके पाप को महसूस करते हैं। देश के किसी भी कोने में जाते हैं। हमें जैसे ही लोग देखते हैं, तो उनके मुख से निकलता है जय श्री राम। योगी ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन भारत के इतिहास के अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। दुनिया में ऐसा आयोजन कहीं नहीं हुआ होगा। अपने प्रभु के लिए भारत ही नहीं दुनिया के अंदर जहां सनातन रहा, वहां किसी जाति, धर्म, संप्रदाय, वनवासी हो या राजमहल में रहने वाला व्यक्ति हर एक के मन में एक ही बात रहती थी कि प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बने। आज से ठीक 298 साल पहले वह काली रात आई थी, जब राम के मंदिर को अपवित्र करके विवादित ढांचा खड़ा कर दिया गया था। लेकिन, बिना किसी डर के राम जन्मभूमि के बारे में सोचा न हो, ऐसा कोई दिन नहीं हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंच गए हैं। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उनका हेलिकॉप्टर उतरा। यहां अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। यहां से वे सड़क मार्ग से सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर जाएंगे, जहां दर्शन-पूजन करेंगे। हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री राममंदिर परिसर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के मूवमेंट को देखते हुए उनके रूट पर आवागमन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। मौसम खराब होने के चलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रूट में बदलाव हुआ है। मुख्यमंत्री महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से टेढ़ी बाजार होते हुए राम मंदिर पहुंचेंगे। पहले राम कथा पार्क में उनका हेलीकॉप्टर उतरना था। राम मंदिर परिसर के परकोटे में भगवान शिव का एक भव्य मंदिर स्थित है। यह मंदिर पिंक सैंडस्टोन (गुलाबी बलुआ पत्थर) से बना है, जो इसकी सुंदरता और भव्यता को और बढ़ाता है। मंदिर में भगवान शिव का 5 फीट का शिवलिंग स्थापित है, जो नर्मदा नदी के पवित्र पत्थर से बना है। इस शिवलिंग को नर्मदेश्वर शिवलिंग कहा जाता है। मंदिर के ठीक सामने काले पत्थर से बनी नंदी की प्रतिमा विराजमान है, जो भगवान शिव के वाहन और परम भक्त माने जाते हैं। ध्वजारोहण के अवसर पर इस पूरे मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे इसकी दिव्यता और आकर्षण और भी बढ़ गया है। शिव मंदिर ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में यज्ञशाला के सामने स्थित है, जिससे ध्वजारोहण के बाद कार्यक्रम स्थल तक मुख्यमंत्री की आवाजाही सुगम रहेगी। पहले यज्ञशाला के सामने आयोजन की योजना थी, लेकिन आम दर्शनार्थियों की भीड़ को देखते हुए इसे बदला गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रपति के आयोजन की तुलना में छोटा होगा। जहां उस दौरान 7-8 हजार अतिथि शामिल हुए थे, वहीं इस बार करीब 1000 लोगों को आमंत्रित किया गया है। इनमें भाजपा व संघ परिवार के विभिन्न आनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हैं, जिनमें अधिकांश अयोध्या जनपद से ही हैं। समारोह के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सीटिंग प्लान को रंग-आधारित अलग-अलग ब्लॉकों में बांटा गया है। वीआईपी, वीवीआईपी, महिला-पुरुष, ग्रामीण और शहरी अतिथियों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। ध्वजारोहण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। आमंत्रित अतिथियों को पहले वॉट्सऐप और पत्र के जरिए निमंत्रण भेजा गया, जिसके बाद उनकी सहमति मिलने पर कोड नंबर वाले एंट्री पास जारी किए गए हैं। इन पर नाम, आधार नंबर और आईडी कोड अंकित है, साथ ही प्रवेश द्वार भी तय किया गया है। अतिथियों को रंगमहल बैरियर, राम गुलेला-अमावां मंदिर या आद्य गुरु रामानंदाचार्य द्वार से प्रवेश की अनुमति होगी।

विधान परिषद में कार्य परामर्शदात्री समिति की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। Lucknow में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की कार्य परामर्शदात्री समिति की बैठक सभापति Kunwar Manvendra Singh की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक विधान परिषद भवन के कक्ष संख्या-77 में आयोजित की गई, जिसमें 30 अप्रैल को होने वाली सदन की कार्यवाही और कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान 'नारी सशक्तिकरण' विषय पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1956 के नियम-59(9) के अंतर्गत लोकहित के विषय पर अनवरत चर्चा के प्रस्ताव को प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं सदन के नेता Keshav Prasad Maurya ने महत्वपूर्ण विचार रखते हुए महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण पर जोर दिया। इसके अलावा वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री Suresh Kumar

Khanna, नेता प्रतिपक्ष Lal Bihari Yadav समेत कई सदस्यों ने अपने सुझाव और विचार प्रस्तुत किए। बैठक में एमएलसी सलिल विश्नोई, जासमीर अंसारी, अश्वनी त्यागी, ध्रुव कुमार त्रिपाठी, बिच्छे लाल राम, जयपाल सिंह 'व्यस्त', आकाश अग्रवाल, अक्षय प्रताप सिंह, महेंद्र सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

विधान परिषद के प्रमुख सचिव Rajesh Singh भी बैठक में मौजूद रहे और कार्यवाही में सहयोग किया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676